

2016

ISSN 0975-6256

कालिका

Vol. - VIII * No. - 1

संरक्षका:

समस्तगुरुश्रीमद्रामानुजाचार्यस्वामिश्रीवासुदेवाचार्य
'विद्याभास्कर' महाराजा:



प्रधान-सम्पादक

डॉ० कमलाकान्त त्रिपाठी

प्रकाशक:

विश्वेश्वर-विद्या-निकेतनम्

बी-१/२३३-बी-ए-१- भारतीय स्टेट बैंक, अस्सी शाखा के बगल में
भदौनी, वाराणसी-१

94

KALIKATA



विषयसूचिका

संख्या क्रम

१. वैदिककाल में पारंपरिक धर्म का स्वरूप	डॉ. कमलाकान्त त्रिपाठी	१-९
२. वैदिककाल में मिथिगत धर्म का स्वरूप	डॉ. (श्रीमती) एम्. प्रफुल्ला	१०-१६
३. पुराणकाल में धर्म का स्वरूप	डॉ. दीप्ति वाजपेयी	१७-२०
४. The development of Hinduism According to Dr. Palaiah	Dr. C. Palaiah	२१-२४
५. भारतीय धर्म का विकास अहर्षा, एक दृष्टिकोण	Dr. Pitamber Sahoo	२५-३३
६. विभिन्न धर्मों में संतों का योगदान	रामजी पाण्डेय	३४-३८
७. इतिहास के आधार पर	अच्युतकृष्ण त्रिपाठी	३९-४३
८. नैतिकता के विकास का	लक्ष्मीनाथ कंडेल	४४-४८
९. महाभारत में धर्म का स्वरूप	डॉ. राघवेन्द्र जी दुवे	४९-५३
१०. नैतिकता के विकास में महाभारत का योगदान : एक नवीन दृष्टिकोण	डॉ. त्रिलोचन प्रधान	५४-५९
११. सत्य का स्वरूप	श्री प्रकाशः गोगिकारः	६०-६८
१२. वैदिककाल में स्तूतियों के विकास का परवर्ती दृष्टिकोण	डॉ. पूर्णिमा कुमारी	६९-८०
१३. श्रद्धा के विकास का स्वरूप	डॉ. प्रभाकर कुमार अग्निहोत्री	८१-८४
१४. योग के विकास का स्वरूप	डॉ. अम्यति लक्ष्मण राव शास्त्री	८५-८९
१५. संस्कृत का विकास का स्वरूप	प्रदीप तिवारी	९०-९१
१६. Influence of Hinduism on the Christian Doctrine of Karma	Dr. Junais. P.	९२-९८